सभी प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन का 2 माह का.....पेज 7
वायरस के इस सबसे बड़े डॉक्टर की बात सुनें...... पेज 6
अमेरिका, स्पेन में इटली जैसा हाहाकार.... पेज 13

www.jagranmp.com/epaper
विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
दैनिक जागरण
वर्ष 67 अंक 186 पृष्ठ 14
रीवा, गुरुवार 26 मार्च 2020
चैत शुक्ल पक्ष 2, विक्रम संवत 2077
नगर मूल्य 4.50 रुपए

State Bank of India

लॉकडाउन के दौरान एसबीआई आपके घर पहुंचाएगा कैश

- कई निजी बैंक अपने ग्राहकों को पहले से ही देते हैं ये सुविधा।
- थोड़ा सा शुल्क देकर इस सुविधा का फायदा उठा सकेंगे ग्राहक।

कितना लगेगा शुल्क

- एसबीआई ने बताया कि हर भुगतान के बदले में देने पड़ेंगे 100 रुपए।
- ग्राहकों को 100 रुपए के शुल्क में पैसा जमा करने की सुविधा भी मिलेगी।

अभी कौन-कौन बैंक देते हैं ये सुविधा

- एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा तथा एक्सिस बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को पहले से ही दी जा रही है ये सुविधा।
- पांच हजार से कम और 25 हजार से ज्यादा रुपए ये बैंक घर नहीं पहुंचाते।

कोरोना की मार से प्रदेश में पहली मौत

भोपाल में 1, इंदौर में भी 7 मरीज मिले, प्रदेश में 17 हुई कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या

उज्जैन निवासी 65 साल की महिला की इंदौर में इलाज के दौरान मौत

भोपाल में एक पत्रकार संक्रमित

भोपाल, जबलपुर, शिवपुरी के बाद इंदौर में भी लगा कर्फ्यू

मुख्य प्रतिनिधि, भोपाल

मप्र में कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ता जा रहा है। प्रदेश में बुधवार को कोरोना पीड़ित एक महिला की मौत हो गई। मप्र में कोरोना से यह पहली मौत है। उज्जैन निवासी कोरोना पीड़ित 65 साल की महिला ने इंदौर के एम. वाय अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर भी कोरोना की चपेट में आ गई है। यहां बुधवार को ७ लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई, जिनमें से एक की मौत हो गई। दो नए मरीजों में कोरोना की पुष्टि इंदौर के एमआरटीबी अस्पताल में हुई। कोरोना पीड़ित 7 मरीज मिलने के बाद जिला प्रशासन ने इंदौर में तत्काल प्रभार से कर्फ्यू लगा दिया है। इससे पहले भोपाल, जबलपुर और शिवपुरी जिले में कर्फ्यू लगाया जा चुका है। उज्जैन की सीएमएचओ डॉ. अनुसुइया गवली ने बताया कि 65 वर्षीय राबिया बी पति कुतुबुद्दीन निवासी जानसापुरा उज्जैन को गत 22 मार्च को उज्जैन के चैरिटेबल हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। उन्हें केवल एक दिन ही सर्दी खांसी की बीमारी होना बताया गया था। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

कर्फ्यू का असरः भोपाल के सोमवारा स्थित कर्फ्यू वाली माता मंदिर पर नवरात्रि का पहला दिन होने के बावजूद सन्नाटा पसरा रहा।

सोशल डिस्टेंसिंगः बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की मीटिंग के दौरान कोरोना से बचाव के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का खास ध्यान रखते हुए मंत्री परिषद के सभी सदस्यों को एक खास फासले से बैठाया गया ।

भोपाल में 2 हुई मरीजों की संख्या

राजधानी भोपाल में बुधवार को एक और मरीज को कोरोना की पुष्टि हुई है। प्रोफेसर कॉलोनी निवासी केके सक्सेना पेशे से पत्रकार हैं। पिछले दिनों उनकी बेटी लंदन से आई थी। वह कुछ दिन परिवार के साथ रहीं और जब उनके सैंपल की जांच की गई, तो वह कोरोना पॉजिटिव पाई गईं। बुधवार को उनके पिता का सैंपल भी जांच में पॉजिटिव पाया गया। दोनों का एम्स, भोपाल में इलाज चल रहा है। अब भोपाल में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़कर 2 हो गई है।

राज्य की सभी अदालतें 14 अप्रैल तक बंद

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की तीनों खंडपीठों सहित प्रदेश की सभी जिला एवं तहसील अदालतों को 14 अप्रैल तक बंद कर दिया गया है। इस अवधि में अर्जेंट मामलों की सुनवाई की व्यवस्था की गई है। (विस्तृत पेज 7 पर)

वरिष्ठ अफसरों को सौंपी जिम्मेदारी

राज्य शासन ने जरूरी वस्तुओं की सप्लाई के लिए मंत्रालय के वरिष्ठ अफसरों को जिम्मेदारी सौंपी है। वे इस लॉकडाउन के दौरान आमजन तक इन सुविधाओं को पहुंचाएंगे।

दवाएं, उपकरण एवं लॉजिस्टिक-
फैज अहमद किदवई-9111333200, जे विजय कुमार-9479868150

मेडिकल ट्रीटमेंट एवं हॉस्पिटल मैनेजमेंट
संजय शुक्ला-9425019500, प्रतीक हजेला-9435062180, निशांत वरवड़े-942501988

एंबुलेंस सर्विस एवं 104 कॉल सेंटर
बी. चंद्रशेखर-9425418548, स्वाति मीणा नायक-9425816900

आवश्यक सेवाएं एवं राज्य स्तर पर समन्यक
आईसीपी केशरी-991032200, राजेश राजौरा-7693911111, मलय श्रीवास्तव-9424599400, मनु श्रीवास्तव-9425805450, संजय दुबे-8889150333, शिवशेखर शुक्ला-9630012000, पल्लवी जैन गोविल-8989925356

सूचना संपर्क प्रचार-प्रसार-
पी. नरहरि-9424734500 मानव संसाधन-रूही खान-9425097786

25 राज्यों में कोरोना, संक्रमण के 628 केस, 13 मौतें

सेना भवन लॉक, गृह मंत्रालय का राज्यों को कॉल सेंटर बनाने का निर्देश

नई दिल्ली, जेएनएन। बुधवार को देशव्यापी लॉकडाउन का पहला दिन था। इसके बावजूद देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। संक्रमितों की संख्या बुधवार को ६२८ हो गई। अब तक १३ लोगों की जान चली गई है। इस बीच देश के ज्यादातर शहरों में बुधवार को सन्नाटा पसरा रहा। बुधवार को संक्रमण के 62 मामले सामने आए। यह एक ही दिन में आए संक्रमण के मामलों की सबसे ज्यादा संख्या है। अब कोरोना देश के 25 राज्यों तक पहुंच गया है। राज्यों की संख्या मिजोरम में एक मामला सामने आने के बाद बढ़ी है। मिजोरम में नीदरलैंड से लौटा एक पादरी संक्रमित पाया गया है। बुधवार को 3 लोगों की मौत भी हो गई। सुबह तमिलनाडु के मदुरै में 54 वर्षीय संक्रमित मरीज ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि शाम को मध्य प्रदेश के उज्जैन में 65 वर्षीय संक्रमित महिला की मौत हो गई। एक मौत गुजरात में भी हो गई है। अब तक कोरोना के सबसे ज्यादा 116 मामले महाराष्ट्र में ■ शेष पृष्ठ 7 पर

कोरोना की स्थिति

	संक्रमित	मौतें
भारत	628	13
दुनिया	4,27,940	19744

एनपीआर का काम रोका गया

लॉकडाउन के कारण राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को अपडेट करने का काम और 2021 की जनगणना के पहले चरण को स्थगित कर दिया गया है। गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ये दोनों काम अगले आदेश तक रोके गए हैं।

देश में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन कानून लागू

केंद्र ने स्वयं संभाली कोरोना के खिलाफ जंग की कमान

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार ने कोरोना से लड़ने के लिए बुधवार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम लागू किया है। यह अधिनियम देश में पहली बार लगाया गया है। इससे केंद्र ने राज्यों में कोरोना के खिलाफ जंग को अपने नियंत्रण में ले लिया है। आमतौर पर स्वास्थ्य से जुड़े

मामले राज्य सरकार के अधीन आते हैं, मगर गृह मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण इस संबंध में जरूरी कदम उठाएगा। सूत्रों ने कहा कि राज्यों के वरिष्ठ नौकरशाहों और केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों की बैठक में राज्यों से कहा गया है कि उन्हें कोरोना के मामले में केंद्र के निर्देशों का पालन करना होगा। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी यह योजना सोमवार को साझा की थी।

गृह मंत्रालय ने राज्यों के ये दिए निर्देश

- कोरोना के लिए कंट्रोल रूम बनाया जाए, जो सातों दिन और 24 घंटे खुला रहे। यह कंट्रोल रूम संदिग्धों की कॉल आने पर फौरन सक्रिय हो और सदिग्ध की जांच सुनिश्चित करे।
- लॉकडाउन के दौरान नागरिकों को जरूरी सामानों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। सरकार को आम नागरिकों के साथ खड़ा दिखना चाहिए।
- लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई हो। उनके खिलाफ पुलिस ऐसी धाराओं में कार्रवाई करे, जिनमें दो साल तक की सजा का प्रावधान है।
- संदिग्धों की जांच सुनिश्चित की जाए और मरीजों की सेवा में लगे चिकित्सकों या अन्य लोगों को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

1.5 लाख करोड़ का प्रोत्साहन पैकेज देगी सरकार, सीधे खाते में जाएंगे पैसे

10 करोड़ जनता के एकाउंट में पैसे सीधे ट्रांसफर किए जा सकते हैं

लॉकडाउन से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए बिजनेस की भी होगी मदद

नई दिल्ली, जेएनएन। कोरोना पर लगाम लगाने के लिए किए गए लॉकडाउन की वजह से देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर को दूर करने के लिए सरकार ने कमर कस ली है। केंद्र सरकार इसके लिए 1.5 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा कर सकती है। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने यह जानकारी दी। पहचान जाहिर न करने की शर्त पर सूत्रों ने बताया कि सरकार ने अभी पैकेज को अंतिम रूप नहीं दिया है और इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय, वित्त मंत्रालय तथा भारतीय रिजर्व बैंक के बीच बातचीत चल रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रोत्साहन पैकेज 2.3 लाख करोड़ रुपए तक का हो सकता है, हालांकि अंतिम आंकड़े ■ शेष पृष्ठ 7 पर

टोल प्लाजा पर नहीं लगेगा टोल टैक्स

नई दिल्ली, जेएनएन। कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने देशभर के टोल प्लाजा पर लगने वाले टोल टैक्स को फिलहाल के लिए बंद कर दिया है। नितिन गडकरी ने कहा है कि इससे इमरजेंसी सेवाओं की स्पलाई में आनी वाली दिक्कतों को कम किया जा सकेगा साथ ही वक्त को भी बचाया जा सकेगा। नितिन गडकरी ने ये भी जानकारी दी कि टोल प्लाजा पर सड़कों के रखरखाव और आपातकालीन संसाधनों की उपलब्धता हमेशा की तरह जारी रहेगी।

डॉक्टर ईश्वर के रूप, परेशान किया, तो बर्दाश्त नहीं करेंगे

वाराणसी की जनता से प्रधानमंत्री ने की बात

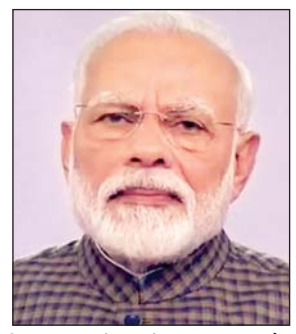

वाराणसी, नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ जंग में जुटे डॉक्टर, नर्स समेत किसी भी स्वास्थ्यकर्मी, सफाईकर्मी और विदेशों में फंसे लोगों को लाने वाले एयरलाइंस के क्रू मेंबरों के साथ किसी प्रकार का भेदभाव करना महंगा पड़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को वाराणसी के लोगों से बातचीत करते हुए दो टूक अंदाज में कहा कि वे कोरोना से जंग में जुटे लोगों को किसी भी तरह की परेशानी पहुंचाने की घटना को गंभीरता से लेंगे। ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। मोदी ने कहा कि मंगलवार को उन्होंने डॉक्टर, लैब टेक्नीशियन, नर्स, वार्ड स्टॉफ आदि के साथ विस्तार से बातचीत की है। इस देश के सामान्य लोग सही समय पर सही कदम उठाने पर भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा, 22 मार्च को जनता कर्फ्यू के दौरान देश के आम लोगों ने जिस तरह से भागीदारी निभाई, उससे दुनिया अचंभित है। इसके बाद शाम को ठीक पांच बजकर पांच मिनट पर देशभर के लोग कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे लोगों का अभिवादन करने के लिए साथ आए। लोगों ने डॉक्टरों, लैब टेक्नीशियन, नर्सों के प्रति धन्यवाद प्रस्तुत किया। ये पूरे देश ने किया। गौरतलब है कि हाल ही में खबर आई थी कि दिल्ली में कोरोना के मरीजों का उपचार कर रहे कुछ डॉक्टरों से उनके मकान मालिकों ने मकान खाली करने के लिए कह दिया है। ऐसी ही खबरें देश के दूसरे हिस्सों से भी आई थी। मोदी से इसी विषय में सवाल पूछा गया था। इसके जवाब में उन्होंने समाज को समझाइश दी।

ना बोझ सर पर कोई भारी रखिए, जिंदगी एक खूबसूरत जंग है इसे जारी रखिए

अपनी बात
संजीव मोहन गुप्त
स्थानीय सम्पादक

कोरोना वाइरस आज 195 देशों के लिए आपदा बन कर कहर ढा रहा है , सबसे ज़्यादा नुकसान विश्व के दूसरे सबसे आधुनिक चिकित्सा सुविधा वाले देश इटली को हुआ है अब तक वहां 6080 लोग असमय काल के गाल में समा गए हैं। आज विश्व में चार लाख 97 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित पाए गए हैं और उनमें से 18078 लोगों की जान जा चुकी है। हमारे देश और प्रदेश में इसका संक्रमण गुजरे एक सप्ताह में लगभग दुगने से ज़्यादा हो गया है , और मध्य प्रदेश में आज तक इसके 14 पाजिटिव केस मिल चुके हैं ,आज ही मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में कोरोना से संक्रमित एक 60 वर्षीय पुरुष की मृत्यु हो चुकी है। मध्य प्रदेश में सबसे अधिक रोगी जबलपुर में पाए गए हैं ।

अभी हालात जो कहानी बयां कर रहे हैं ,उनमें देशभर में कोरोना मरीजों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। अब तक 606 कंफर्म केस मिले हैं। कोरोना से सबसे अधिक महाराष्ट्र और केरल प्रभावित हैं। महाराष्ट्र में 112 और केरल में 105 केस सामने आए हैं। कोरोना के बढ़ते केसों को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 दिन के लॉकडाउन का ऐलान किया है। यह लॉकडाउन आज से लागू हो गया है और 14 अप्रैल तक चलेगा। दफ्तर, बाजार, सार्वजनिक परिवहन सबकुछ बंद है। प्रधानमंत्री ने साफ-साफ कहा है कि इन 21 दिनों तक इस देश में कोई भी अपने घर से बाहर कदम नहीं रखेगा। केवल जीवनरक्षक सेवाएं ही इस दौरान जारी रहेंगी,क्योंकि रीवा जिला उत्तरप्रदेश से भी लगा है और जबलपुर से भी सीधे जुड़ा है इसलिए ख़ासतौर पर रीवा या यूं कहें विंध्य प्रदेश के लोगों को अधिक सावधान रहना चाहिए । हमारा देश वैसे भी आर्थिक संकट के दौर से गुजऱ रहा है ऐसे में सरकार से ज़्यादा उम्मीद करना व्यर्थ होगा ।

जहां तक इस महामारी से मुक़ाबले का प्रश्न है वो हमारे देश की चिकित्सा सुविधाओं को देखते हुए हमें अतिआवश्यक होने पर ही उनपर निर्भर होना चाहिए , अच्छा तो यही होगा की आप खुद पर ज़्यादा निर्भर होकर साफ़ सफ़ाई के साथ रहे , और खान पान में विटामिन सी की मात्रा बढ़ाकर अपनी इमूनिटी को बढ़ाए , ताकि आप संक्रमण से बच सके ।यह बीमारी तब तक जानलेवा नहीं है जब तक आप स्वयं लापरवाही के चलते इसे गले ना लगा ले ।

आज सोशल मीडिया और प्रत्येक मीडिया के माध्यम से एक ही बात सुनाई पड़ती है वो कोरोना वाइरस के आंकड़े जो डराने के लिए काफ़ी है पर अगर हम यह ठान ले कि हमें अपनी साफ़ सफ़ाई , भीड़ भाड़ से बच के घर में पर रहना है तथा भोजन में भी साफ़ सफ़ाई का ध्यान रखेंगे तो इस महामारी से जीत संभव है । जो लोग 60 वर्ष से ऊपर की आयु वाले है उन्हें अपना विशेष ध्यान रखना होगा। नौजवानों को ज़्यादा साफ़ सफ़ाई का ख्याल रखना होगा , घबराकर जल्दबाज़ी में कोई निर्णय ना ले, थोड़ी सी सावधानी का कड़ाई से पालन करें तो इस जंग को जीता जा सकता है । अंत में बस इतना कहना चाहूंगा कि घबराकर भागने से अच्छा है की सावधानी बरत कर इसका सामने से मुक़ाबला करें और 14 अप्रैल तक इसकी जड़ों को विंध्य से उखाड़ फेंके ।इस बात का विशेष ध्यान रखें कि जान है तो जहान है, या यूँ कहें की सर सलामत तो पगड़ी हज़ार , जीवन एक ही बार मिलता है उसका महत्व समझें और सामाजिक कार्यों से दूरी बना कर दूसरों को सही राय दे अफ़वाहों से बचें। मैं रीवा के कई लोगों के वाट्स ग्रुप,तथा अन्य सोशल माध्यमों से जुड़ा हूं,उसमें अक्सर कोरोना का उपचार झाड़ फूंक भी बताया जाता है , जिसे मेडिकल साइन्स खारिज करता है। मैं लोगों यह मशवरा देता हूं कि सरकार की तय की हुई रूपरेखा पर चलें इस जंग को जीतें और समाज में अपनी एक मिसाल पेश करें।

सचिन गुस्सा, बोले-कोरोना आग है, हवा मत बनिए

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनिया के महान बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर कोरोना वायरस पर लगातार लोगों को जागरूक कर रहे हैं। सचिन ने कहा कि प्रधानमंत्री के लॉकडाउन की अपील का सबको सख्ती से पालन करना चाहिए, तभी इस जानलेवा वायरस का खात्मा संभव है। आज मास्टर ब्लास्टर ने एक और वीडियो जारी कर उन लोगों के खिलाफ नाराजगी जताई है, जो इस वायरस की परवाह किए बगैर घर से बाहर निकल रहे हैं। मास्टर ब्लास्टर ने कहा कि यह वायरस आग है, कम से कम आप इसे भड़काने वाली हवा तो मत बनिए। सोशल मीडिया ट्विटर पर सचिन ने लोगों से अपील करते हुए 1 मिनट 28 सेकंड का एक विडियो पोस्ट किया। तेंडुलकर ने अपने ट्वीट का कैप्शन भी हिंदी में दिया और लिखा, नमस्ते! हमारी सरकार ने हम सभी से ये विनती की है कि अगले 21 दिनों तक हम सब अपने घरों से ना निकलें। फिर भी बहुत लोग इस निर्देश का पालन नहीं कर रहे हैं। इस मुश्किल समय में हम सबका ये कर्तव्य है कि हम घरों में रहें और यह समय अपने परिवार के साथ बिताएं और कोरोना वायरस का खात्मा करें। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

क्या बोले सचिन

- यह वायरस आग है आप इसे और भड़काने वाली आग मत बनिए।
- मैं 10 दिन से अपने घर में और अगले 21 दिन भी नहीं निकलूंगा बाहर।
- मैंने लोगों को क्रिकेट खेलते वीडियो में देखा- यह गलत
- मुश्किल समय सभी अपने परिवार के साथ बिताएं।